
आलस्य और अलबेलापन – 64

अव्यक्त बापदादा :- (30.11.2007)

» _ » ऐसी विधि निकालो जिससे चारों ओर का वायुमण्डल शक्तिशाली बनें। चाहना है लेकिन हिम्मत कम है तो आपस में मिलके कोई न कोई हर मास के लिए ऐसा वर्क निकालो जो सभी उसमें बिजी हो जाएं, रिजल्ट आती रहे। और चेकिंग भी हो, अगर नहीं करते हैं तो क्यों? अलबेलापन है तो उनके ऊपर स्नेह से सहयोग देना पड़ेगा क्योंकि समय तीव्रता से समीप आ रहा है। तो ऐसा कोई प्लैन बनाओ। कोई न कोई वर्क इन्ट्रेस्ट का निकालके सबको बिजी रखी उसमें ठीक है।

» _ » ब्रह्मा बाप का सबसे ज्यादा प्यार किससे था? जानते हो? किससे प्यार था? मुरली से। लास्ट दिन भी मुरली का पाठ मिस नहीं किया। समान बनने में यह चेक करना - ब्रह्मा बाप का जिससे प्यार रहा, ब्रह्मा बाप के प्यार का सबूत है - जिससे बाप का प्यार था उससे मेरा प्यार स्वतः ही सहज होना चाहिए। ब्रह्मा बाप की और विशेषता क्या रही? सदा अलर्ट, अलबेलापन नहीं। लास्ट दिन भी कितना अलर्ट रूप में अपने सेवा का पार्ट बजाया। शरीर कमजोर होते भी कैसे अलर्ट होके, आधार लेके नहीं बैठे और अलर्ट करके गये। तीन बातों का मन्त्र देके गये। याद है ना सबको) तो जितना अलर्ट रहेंगे, फालो करेंगे, अलबेलापन खत्म होगा। अलबेलेपन के विशेष बोल बापदादा बहुत सुनते रहते हैं। जानते हो ना। अगर इन तीन शब्दों को (निराकारी, निर्विकारी और निरंहकारी) सदा अपने मन में रिवाइज़ और रियलाइज करते चलो तो आटोमेटिकली सहज और स्वतः समान बन ही जायेंगे।

(31.12.2007)

»» वायुमंडल शक्तिशाली कैसे बनाये?

» _ » संकल्पों के तल पर

- संकल्पों में पोजीटीविटी हो
- ब्राह्मण कल्चर अर्थात स्वमान में रहना
- यग्य, बड़ों के प्रति कोई नेगेतिवे संकल्प न चले
- स्वतः ही सबके मन में योग की लहर जगे, ऐसा वायुमंडल हमें बनाना है...

» _ » बोल के तल पर

- यग्य की निंदा करने वाले बोल न हो
- किसी की ग्लानी के बोल न हो

» _ » कर्म के तल पर

- हर कर्म पूरी जागरूकता से हो। कौन ये कर्म कर रहा है... किसका यह यग्य है...
- हमारी धारणाओं को देखकर ही आत्माओं में परिवर्तन होगा

» _ » सम्बन्ध संपर्क के तल पर

➤➤ सदा एलर्ट रहना है...

➤➤ निराकारी, निर्विकारी और निरहंकारी इन तीन शब्दों को रीवाइज, रियलाइज करना है...

➤➤ समय निकलकर समय देना होगा...

➤➤ बुद्धि को प्रशिक्षित करना है...

➤➤ याद और सेवा का बैलेंस हो... कर्म करते योग हो...

➤➤ स्वयम स्वय को मोटिवेट करना है... दुसरे हमें कब तक मोटिवेट करते रहेंगे...
